कामये दुःखतप्तानाम्।
प्राणिनाम् आर्तिनाशनम्॥

जागृति

वार्षिकांक

वर्ष 62 अंक-1 मुंबई दिसम्बर 2017

एम.एस.एम.ई.मंत्री द्वारा आई.आई.टी.एफ. में खादी पवेलियन का उद्घाटन

खादी की पहुँच अब खुदरा मॉल और रिटेल श्रृंखला तक

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की
औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका

जागृति

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की
औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका

वर्ष 62 अंक-1 मुंबई दिसम्बर 2017

सम्पादक मंडल

अध्यक्ष
श्रीमती प्रीता वर्मा

सम्पादक
के. एस. राव

उप सम्पादक
सुबोध कुमार

वरिष्ठ हिन्दी अनुवादक
सरस्वती खनका

वरिष्ठ कलाकार
संजय एस. सोमदे

कलाकार
चंद्रशेखर पुनवटकर,
दिलीप पालकर

के. सुब्बाराव, द्वारा प्रचार, फिल्म एवं
लोक शिक्षण कार्यक्रम निदेशालय,
खादी और ग्रामोद्योग आयोग
ग्रामोदय,3 इर्ला रोड, विले पार्ले (पश्चिम),
मुम्बई - 400 056 के लिए प्रकाशित
टेलिफैक्स: 022-26719465
ई-मेल: jagritikvic@gmail.com वेबसाईट: www.kvic.org.in

प्रचार, फिल्म एवं लोक शिक्षण कार्यक्रम निदेशालय,
खादी और ग्रामोद्योग आयोग, ग्रामोदय, 3 इर्ला रोड,
विले पार्ले (पश्चिम), मुम्बई - 400 056 में प्रकाशित

आवश्यक नहीं कि पत्रिका में प्रकाशित लेखों तथा व्यक्त विचारों से खादी और ग्रामोद्योग आयोग अथवा सम्पादक सहमत हों।

कामये दुःखतप्तानाम्।
प्राणिनाम् आर्तिनाशनम्॥

इस अंक में...

समाचार सार 3 से 23

भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला.....

एम.एस.एम.ई.मंत्री द्वारा आई.आई.टी.एफ. में खादी पवेलियन का उद्घाटन .....

आयोग ने कम जगह के बावजूद आईआईटीएफ में अपनी पैठ बनाई .....

"हमारा मुख्य उद्देश्य उत्पादकता को सुदृढ़ बनाना है".....

खादी की पहुँच अब खुदरा मॉल और रिटेल श्रृंखला तक.....

खादी के तहत 20000 करोड़ रुपये का कारोबार हासिल करने का लक्ष्य होना चाहिए .....

"मेरा लक्ष्य - भ्रष्टाचार मुक्त भारत".....

एनएसकेएफडीसी के साथ कौशल विकास में अपनी उपस्थिति दर्ज कराती-खादी .....

आयोग की सम्पन्न 650वीं बैठक के मुख्यांश .....

समाचार पत्रों में प्रकाशित खादी ग्रामोद्योग जगत की सुर्खियाँ.....24 से 27

भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला

एम.एस.एम.ई.मंत्री द्वारा आई.आई.टी.एफ. में खादी पवेलियन का उद्घाटन

नई दिल्ली: सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एम. एस. एम.ई.) राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गिरिराज सिंह ने प्रगति मैदान में भारतीय-अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले के 37वें संस्करण में खादी और ग्रामोद्योग आयोग के विशेष खादी पवेलियन का उद्घाटन किया । इस सबसे बड़े व्यापार मेले (ट्रेड फेयर) की थीम- 'स्टार्ट अप-इंडिया- स्टैंड-अप इंडिया' थी।

इस अंतर्राष्ट्रीय खादी पवेलियन में खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने लगभग 100 से अधिक स्टालों की स्थापना की, इन स्टालों में देश के लगभग सभी राज्यों में स्थित विभिन्न खादी और ग्रामोद्योगी संस्थाओं द्वारा ग्रामीण कारीगरों द्वारा हस्त निर्मित विभिन्न उत्पादों को प्रदर्शित किया था। भारतीय व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ) के इस प्रतिष्ठित वार्षिक आयोजन ने ग्रामीण कारीगरों को राष्ट्रीय राजधानी में अपने कौशल का प्रदर्शन करने के लिए उचित मंच प्रदान किया है।

खादी पवेलियन का औपचारिक रूप से उद्घाटन करने के पश्चात् अपनी प्रसन्नता और उत्साह व्यक्त करते हुए केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री गिरिराज सिंह ने कहा कि कारीगरों और उद्यमियों द्वारा दिखाए गए प्रतिबद्धता और उत्साह से यह संकेत देखने को मिलता है कि पूरे देश ने प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी की अपील और विचारों को स्वीकारा है। "पूरे समर्पण भाव के साथ, हम अपने प्रधान मंत्री के सिद्धांत- पहले, 'खादी फॉर नेशन', फिर 'खादी फॉर फैशन' और अंत में 'खादी फॉर ट्रांसफॉर्मेशन' का पालन कर सकते हैं।" मंत्रालय ने खादी और ग्रामोद्योग से जुड़े कारीगरों के कल्याण और उन्नयन के लिए पहले ही कुछ योजना तैयार की हैं।"

इसी तरह के विचारों की पुष्टि करते हुए खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि कारीगरों और उद्यमियों के उत्साहपूर्ण दृष्टिकोण से इस खादी और ग्रामोद्योग प्रदर्शनी को एक भव्य रूप मिला है। उन्होंने आगे कहा कि "खादी ग्रामोद्योग आयोग एक टीम के रूप में हमेशा अपनी सामाजिक प्रतिबद्धता के साथ अच्छे परिणाम प्राप्त करने की कोशिश करेगा।" हम खादी और ग्रामीण उद्योगों के विकास के लिए हमारे प्रधान मंत्री की उम्मीदों को पूरा करने के लिए हमेशा खरा उतरने की कोशिश करेंगे।

इस अवसर पर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम सचिव डॉ. अरुण कुमार पांडा और प्रसिद्ध फैशन डिजाइनर रितु बेरी भी उपस्थित थी।

भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला

आयोग ने कम जगह के बावजूद आईआईटीएफ में अपनी पैठ बनायी

नई दिल्ली: खादी ने एक बार फिर साबित किया है कि सभी बाधाओं के बावजूद भी इसका विकास किसी भी मामले में कम नहीं होगा।

प्रगति मैदान में भारत के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला (आईआईटीएफ) के 37 वें संस्करण में, खादी और ग्रामोद्योग ने पिछले वर्ष आईआईटीएफ के 36 वें संस्करण में अपनी बिक्री के संबंध में अपनी औसत बिक्री में 19.38 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है | इस तथ्य के बावजूद भी इस वर्ष खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) को कुल 1400 वर्ग मीटर जगह आवंटित की गई, जो कि पिछले वर्ष आवंटित 3000 वर्ग मीटर क्षेत्र का आधा है।

खादी इकाई के प्रत्येक स्टाल में औसत बिक्री इस वर्ष लगभग 5.53 लाख रुपये दर्ज की गई है, जो पिछले वर्ष के करीब 5 लाख रुपये से अधिक है। इसी प्रकार, ग्रामोद्योग इकाई में, इस वर्ष प्रत्येक स्टॉल में औसत बिक्री 3.27 लाख रुपये की हुई, जो कि पिछले वर्ष के 2.4 लाख रुपये के मुकाबले में 86,000 रुपये आधिक है।

पर्याप्त स्थान की कमी के कारण, खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने आईआईटीएफ के 37 वें संस्करण में सिर्फ 90 संस्थाओं को शामिल किया। पिछले वर्ष आयोग ने खादी और ग्रामोद्योग इकाइयों को 195 स्टाल आवंटित किये थे। हालांकि, वर्ष 2016 में खादी और ग्रामोद्योगी उत्पादों का बिक्री प्रतिशत क्रमश: 50.95 और 49.05 था, जबकि इस वर्ष बिक्री का प्रतिशत खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों के लिए क्रमश: 74.9 और 25.1 रहा है।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि औसत बिक्री में वृद्धि से पता चलता है कि खादी और ग्रामोद्योग के उत्पादों के खरीदारों की भरमार थी। "खादी और ग्रामोद्योग आयोग के स्टालों ने भारत के दूतावासों और उच्च आयोग के कई प्रतिनिधियों का ध्यान आकर्षित किया | उन्होंने कहा कि कई फैशन डिजाइनिंग संस्थानों और प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के छात्रों ने भी हमारे स्टालों का दौरा किया, यह जानने के लिए कि कैसे एक आत्मनिर्भरता का यह शस्त्र, आधुनिक भारत में आर्थिक परिवर्तन का एक साधन बन गया है।

"भारत, सरलतापूर्वक कारोबार कर अपनी रैंकिंग में निरंतर सर्वोच्च वृद्धि पंजीकृत कर रहा है।"

माननीय प्रधान मंत्री को इसके नेतृत्व के लिए शुभकामनाएं ।
1 नवंबर, 2017

"हमारा मुख्य उद्देश्य उत्पादकता को सुदृढ़ बनाना है"

- गिरिराज सिंह, एम.एस.एम.ई. मंत्री

खादी और ग्रामोद्योग आयोग से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करने के लिए केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री गिरिराज सिंह के अध्यक्षता में 4 अक्टूबर, 2017 को एक बैठक संपन्न हुई। बैठक में बोलते हुए माननीय मंत्री ने जोर देकर कहा कि खादी कारीगरों के मजदूरी में वृदि करके और बेहतर उत्पादकता से खादी कारीगरों को आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाना हमारा प्रमुख उद्देश्य रहा है । उन्होंने यह भी कहा कि बुनकरों को विशेष प्रशिक्षण देने/ उन्हें दक्ष बनाने के लिए एक विशेष अभियान शुरू किया जाना चाहिए ताकि उन्हें बाजार के अनुरूप तैयार किया जा सके । वर्ष 2022 तक खादी की मौजूदा बिक्री 2200 करोड़ रुपये से 16,000 करोड़ रुपये करने का लक्ष्य है।

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम सचिव डॉ. अरुण कुमार पांडा ने बैठक में खादी के तहत राज्य के विशिष्ट उत्पादों को पहचानित करने के बारे में जोर दिया तथा उन्होंने केवीआईसी के सभी राज्य निदेशकों से स्थानीय उद्यमों, स्थानीय डिजाइनों, स्थानीय उत्पादों की सूची तैयार करने का अनुरोध किया, ताकि इन्हें आगे डिजाइन, मार्केटिंग और ब्रांडिंग के लिए शर्तों के अनुरूप इंटरवंशन करने हेतु सूचीबद्ध किया जा सके।

माननीय मंत्री ने जोर देते हुए कहा कि अनुसंधान एवं विकास, उन्नयन, डिजाइन हस्तक्षेप और उत्पादों के विपणन पर पर्याप्त मात्रा में निवेश किया जाना चाहिए।

सचिव एमएसएमई ने भी प्रस्तावित किया कि खादी उत्पादों पर एक विशेष प्रदर्शनी चयनित देशों के भारतीय दूतावासों में प्रदर्शित की जा सकती है,जहाँ प्रमुख डिजाइनर और खादी के उद्यमी अपने उत्पादों का प्रदर्शन कर सकें। खादी को सीमाओं से बाहर निकालने के लिए, सचिव (विदेश मंत्रालय) और मंत्री स्तर पर भी बैठक की जानी चाहिए।

इससे पूर्व, संयुक्त सचिव एमएसएमई एवं खादी और ग्रामोद्योग आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री बी.एच.अनिल कुमार ने बताया कि वर्ष 2016-17 के दौरान खादी की बिक्री लगभग 2200 करोड़ रुपये तक पहुंच गयी है। वर्ष 2013-14 में यह आंकड़ा 900 करोड़ रुपये था। यह, इस सरकार द्वारा उठाए गए प्रयासों का परिणाम है। खादी और उसके उत्पादों को लोकप्रिय बनाने के लिए खादी संस्थानों की बिक्री के बारे में उन्होंने कहा, देश भर में 'खादी उत्पादन और बिक्री में लगे खादी संस्थाओं में 349 संस्थाओं की प्रति वर्ष 1 करोड़ रुपये से अधिक की बिक्री हो रही है, जबकि 1662 संस्थाओं की 1 करोड़ रुपये से कम बिक्री हैं। सम्पूर्ण देश में खादी से जुड़े कत्तिनों की कुल संख्या 3,20,227 है, जब कि बुनकरों की संख्या 50,454 है।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि एनएमसी चरखों और सभी अन्य चरखों की एक विस्तृत सूची तैयार कर जारी करने तिथि को पहचानित किया जाना चाहिए, ताकि मूल्यह्रास की राशि को भविष्य में बेहतर योजना बनाने के लिए और पीएमईजीपी के तहत चरखा बदलने के लिए एक डाटाबेस तैयार किया जा सके।

खादी की पहुँच अब खुदरा मॉल और रिटेल श्रृंखला तक

मुंबई, 16 नवंबर 2017: बहुत जल्द ही आप, शॉपर्स स्टॉप, स्टार बाजार, अपना बाजार, इन्फिनिटी मॉल, पेंटालून, बिग बाजार, डी-मार्ट और रेमंड से अपने पसंदीदा खादी वस्त्र और खादी खरीद सकते हैं। खादी की प्रत्येक द्वार तक पहुँच बनाने के लिए खादी और ग्रामोद्योग आयोग सभी संभव सम्भावनाओं को तलाश रहा है। इसी नई सोच के साथ खादी कॉर्नर्स के माध्यम से लोगों तक खादी की पहुँच बनाने हेतु प्रमुख खुदरा सेल्स आउटलेट्स और बिग बाजार, पैन्टालून आदि जैसे मार्केट दिग्गजों के प्रमुखों/ मुख्य कार्यकारी अधिकारियों/ प्रबंध निदेशकों के साथ 16.11.2017 को वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, मुंबई के सेंट्रम हॉल में एक उच्च स्तरीय बैठक संपन्न हुई।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम के सचिव डॉ. अरुण कुमार पांडा, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम के सं. सचिव/ खादी और ग्रामोद्योग आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री बी. एच. अनिल कुमार ने इस कार्यक्रम में अपनी गरिमामय उपस्थिति में खुदरा श्रृंखला के प्रमुखों के साथ विचार-विमर्श किया।

बैठक में दिए गए आश्वासनों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना - जिन्होंने हाल ही में आयोग के अध्यक्ष के रूप में दो साल पूरे किये हैं,- ने सांस्कृतिक एवं परंपरिक वस्त्र "खादी" के सुनहरे इतिहास के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा, "पिछले दो वर्षों में भारत के प्रधान मंत्री ने खादी को बढ़ावा दिया, इससे खादी की बिक्री में 34% वृद्धि दिखाई दी है, जो उल्लेखनीय है, लेकिन खादी को नई ऊँचाईयों पर ले जाने के लिए इसे राष्ट्र के हर कोने में उपलब्ध करना है।इसके लिए जल्द ही विवियाना, बॉम्बे स्टोर, सुविधा, मैक्स फ़ैशन और लाइफ स्टाइल, हीरानंदानी के सांस्कृतिक आउटलेट्स, रेमंड, पीटर इंग्लैंड आदि जैसे सेल्स आउटलेट्स में खादी कोर्नर खोलने की यह पहल, निश्चित रूप से खरीदारों के लिए सुलभ होगी। खादी की विशिष्टता आगामी फैशन डिजाइनरों के बीच लोकप्रिय करने की जरुरत है जिससे स्थापित फैशन डिजाइनरों द्वारा इसे स्वीकार किया जाए। भारत के सभी शहरों में इन आउटलेट्स की शाखाएं मौजूद हैं, इससे निश्चित रूप से खादी को प्रत्येक घर में पहुँचाने में मदद होगी।

"हाल ही में दिल्ली स्थित खादी ग्रामोद्योग भवन में 1.2 करोड़ रुपए की बिक्री रिकॉर्ड की गई। दीवाली के दौरान खादी उपहार कूपन की बिक्री में भारी बढ़ोतरी दर्ज

की गई जो पिछले साल की तुलना में 680 प्रतिशत अधिक है। पिछले साल की तुलना में खादी और ग्रामोद्योग की कुल बिक्री में 90 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है। यह स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि आज युवा, बुजुर्ग और हर उम्र की महिलाएं खादी ले रही हैं।"

इस अवसर पर संबोधित करते हुए सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम के सचिव डॉ. अरुण कुमार पांडा ने अपने विचारों की पुष्टि करते हुए कहा कि नेताओं और मॉल के रिटेल चेन के प्रतिनिधियों से प्राप्त सुझाव के अनुसार खादी और इसके अन्य उत्पादों के लिए मूल्य संवर्धन प्रदान किया जायेगा। युवाओं के लिए खादी वस्त्र का सृजन किया जायेगा जो हमेशा फैशनेबल वस्तुओं की तलाश में हैं। यह निश्चित रूप से खादी को वर्तमान स्तर से ऊपर ले जाएगा और इसे युवाओं और उच्चतम खरीदारों के बीच लोकप्रिय बना देगा। इसके साथ न केवल खादी और ग्रामोद्योग आयोग एवं खादी क्षेत्र के साथ जुड़े लाखों अनूठे और अज्ञात कारीगरों को फायदा होगा,बल्कि दोनों के लिए जीत की स्थिति होगी। बैठक में लोगों की उपस्थिति निश्चित रूप से एक उत्साह और जिज्ञासा दर्शाती है।

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के संयुक्त सचिव और आयोग के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री बी. एच. अनिल कुमार ने दोहराया कि खादी की विशिष्टता यह है कि कोई दो उत्पादन एक-दूसरे से मेल नहीं खाते हैं। उपस्थित रिटेल दिग्गजों की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि खादी, गरीबी का उन्मूलन कर सकती है।

इसके अलावा, बैठक में प्रतिष्ठित डिजाइनरों के साथ-साथ भावी डिजाइनरों और छात्रों को भी शामिल कर उनके साथ भी विचार-विमर्श किया गया। मुंबई के ए.एम.डी (पी.वी.पॉलीटेक्निक), एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय, निफ्ट, प्रीमियम फ़ैशन इंस्टीट्यूट्स के प्रबंध निदेशकों ने भी इस विचार-विमर्श में भाग लिया।

फ़ैशन डिज़ाइनर रितु बेरी ने कहा कि खादी पर्यावरणनुकूल वस्त्र है यह ग्रीष्म ऋतु में शीतलता प्रदान करता है एंव शीत ऋतु में गर्मी प्रदान करता है और इस तरह इस वस्त्र में बहुमुखी खूबियाँ हैं, जिससे इस वस्त्र को एक बार उपयोग में लाने के पश्चात् इसे छोड़ नहीं सकते हैं।

एक और प्रतिष्ठित फैशन डिजाइनर नीता लुल्ला ने मार्केट के जरूरत और मांग के मुताबिक इसे अधिकतम फैशनयुक्त बनाने की बात रखी। उन्होंने आगे बताया कि फैशन सड़कों से शुरू होता है, पर लोग इसे बड़ी स्क्रीन पर फैशन शो से अपनाते हैं। खादी को बड़े स्क्रीन देकर इसे प्रोत्साहित करने की जरूरत है।

इस पहल से मॉल के प्रतिनिधि जल्द ही अपने महत्वपूर्ण योजनाओं के साथ अगले स्तर पर पहल करने के लिए अपने सुझाव के साथ आगे आएंगे।

खादी की बिक्री को बढ़ावा देने और ग्रामीण कारीगरों को सहायता देने के लिए माननीय प्रधान मंत्री द्वारा मन की बात के माध्यम से किए गए आह्वान और विचारों के मुताबिक खादी के विपणन हेतु जोर देने के उद्देश्य के साथ खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने "वर्ल्ड ट्रेड एक्सपो-2017" में भाग लिया।

इस अवसर पर आयोग के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी, विपणन ने प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह ऐतिहासिक पहल भविष्य में निर्धारित होने वाले आश्वासित लक्ष्यों के साथ एक लंबा सफ़र तय करेगी।

किसने क्या कहा?

1. रितु बेरी एक प्रसिद्ध फैशन डिजाइनर है और उनका मानना है कि खादी वस्त्र बहुत आकर्षक है और इसमें यह गुण हैं कि यह वस्त्र ग्रीष्म ऋतु में शीतलता प्रदान करता है तथा शीत ऋतु में गर्मी प्रदान करता है, साथ ही इसमें बहुमुखी खूबियाँ हैं, जो भी खादी वस्त्र को एक बार उपयोग में लाना शुरू करता है तो वह इसे हमेशा के लिए उपयोग में लायेगा।
2. रेमंड के सुधांशु पोखरियाल कहते हैं, इसमें व्यवसाय की असीम संभावनाएं और अवसर है, क्योंकि इसके साथ बड़े ब्रांड एंबेसडर प्रधान मंत्री जुडे हैं जो ग्रामीण कारीगरों के लाभ के लिए खादी को बढ़ावा दे रहे हैं।
3. चार बार राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फैशन डिजाइनर नीता लुल्ला ने बाजार की मांग के अनुसार खादी को उच्चतम स्तर का वस्त्र बनाने पर जोर दिया है।
4. प्रतिष्ठित ब्रांड ग्लोबस के मनोज पावसकर का मानना है कि आम आदमी के नोटिस में खादी के यूएसपी को लाया जाना चाहिए। ग्लोबस, युवा पीढ़ी के लिए खादी की उच्चतम विशेषता पर ध्यान केंद्रित करना चाहता है।
5. मनीषा जो कॉटन बाजार और हस्तकला का प्रतिनिधित्व करती हैं, जिनका लक्ष्य युवाओं से वरिष्ठ नागरिकों तक पहुंचना है यदि वे खादी से संबंध रखते हैं तो वह उम्र को ध्यान में रखकर खादी डिजाइनर वस्त्र तैयार करेंगी, जिससे वे राष्ट्रीय ब्रांड खादी से लाभान्वित भी हो। ■■

खादी के तहत 20000 करोड़ रुपये का कारोबार हासिल करने का लक्ष्य होना चाहिए- सचिव, एमएसएमई

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम के सचिव डॉ. अरुण कुमार पांडा ने आयोग के केन्द्रीय कार्यालय, मुंबई में अपने प्रथम दौरे के दौरान अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि खादी को मुख्यधारा में लाने के लिए, युवाओं, खेल हस्तियों और प्रसिद्ध व्यक्तियों को प्रचार के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए।

उन्होंने 15 नवंबर, 2017 को संयुक्त सचिव, एमएसएमई/ आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री बी.एच. अनिल कुमार, आयोग की वित्त सलाहकार श्रीमती उषा सुरेश और मुख्य सर्तकता अधिकारी श्री मोहित जैन के उपस्थिति में खादी और ग्रामोद्योग आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों और कार्यक्रम निदेशकों के साथ विचार-विमर्श किया। इस अवसर पर सचिव महोदय ने खादी के सुनहरे इतिहास का स्मरण किया, जो अपनी आंतरिक शक्ति, आत्मनिर्भरता के संदेश और स्वतंत्रता के कारण से जुड़े होने की वजह से लोगों की पसंद थी।

इस क्षेत्र के कारीगर, जो इस क्षेत्र के केंद्रबिंदु यानि धुरी हैं, पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि कार्यक्रम और प्रचार को कारीगर केन्द्रित बनाना चाहिए और उन्हें खादी के मूल्य निर्धारण सहित खादी और ग्रामोद्योग आयोग के विभिन्न पहलुओं के बारे में भी सूचित करना चाहिए।

उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि विपणन, प्रचार, वित्त, लेखा, सूचना और प्रौद्योगिकी जैसे प्रमुख क्षेत्रों को सुदृण किया जाना चाहिए और इन प्रमुख क्षेत्रों के लिए परामर्शदाताओं के रूप में व्यावसायिक विशेषज्ञों को नियुक्त करना चाहिए ताकि वे खादी और ग्रामोद्योग आयोग को व्यावहारिक परामर्श दे सके। उन्होंने आगे कहा कि बिक्री को बढ़ाने और खादी की बिक्री में वृद्धि करने हेतु युवा वर्ग को लक्षित करने के लिए एक उचित विपणन रणनीति तैयार करनी चाहिए। यहां तक कि संगठन के विभागीय विक्री केन्द्रों को लक्ष्य निर्धारण हेतु प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। स्थिरता के लिए कम से कम 100

दुकानों की पहचान की जानी चाहिए जो समय के साथ-साथ गुणवत्तायुक्त उत्पादों की आपूर्ति कर सकते हैं।

प्रत्येक व्यक्ति को स्वयं के अपने योगदान और आउटपुट के बारे में विचार करना चाहिए जो वह संगठन को दे देता है अथवा दे रहा है और प्रत्येक व्यक्ति के अनुशासन, कर्तव्य, कार्य और उत्पादन के सम्बन्ध में आयोग के वरिष्ठ प्रबंधन द्वारा मूल्यांकन किया जाना चाहिए । सटीक और कुशल प्रदर्शन के लिए, सचिव ने कर्मचारियों के पुनर्गठन पर जोर दिया, इसके लिए आयोग की राज्यवार समीक्षा होनी चाहिए और कर्मचारियों की क्षमता को अधिकतम स्तर तक उपयोग में लाना चाहिए।

सर्वश्रेष्ठ हेतु तत्पर रहने के लिए, सभी देशों में अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनियों, पूरे विश्व में उच्च स्तर की गुणवत्ता वाले उत्पादों के साथ संगठित होने की जरूरत है | सचिव ने महसूस किया खादी और ग्रामोद्योगी उत्पादों की बिक्री करने और इसका अधिकतम प्रचार करने हेतु फ्रैंचाइज़ मॉडल को बढ़ावा देना बेहद फायदेमंद होगा।

उन्होंने कोलकाता भवन मॉडल की सराहना की जो व्यवसायिक रूप से बहुत व्यवहार्य है। यहां संस्थान अपने उत्पादों के साथ आते हैं और उत्पादों की अपने लाभ मार्जिन के साथ बिक्री करते हैं।

उन्होंने खादी और ग्रामोद्योग आयोग का विकास और नवीकरण करने के लिए खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अधिकारियों को प्रोत्साहित किया ताकि यह संगठन स्व-वित्तपोषण मॉडल पर कार्य कर सके और राष्ट्रपिता द्वारा प्रचारित महान कर्तव्यों की सेवा कर और भारत के माननीय प्रधान मंत्री द्वारा समर्थित विचारों को प्रवर्तित कर सके।

ग्रामोद्योगों के लिए उत्पादन, बिक्री और रोजगार की गणना करने के लिए मानदंडों के सम्बन्ध में आयोग के उप.मुख्य कार्यकारी अधिकारी, विपणन श्री के.एस. राव ने स्पष्ट किया कि ग्रामोद्योग उत्पादन से सम्बंधित आँकड़े खादी संस्थाओं और ग्रामोद्योगी संस्थाओं के साथ-साथ राज्य खादी और ग्रामोद्योग बोर्डों के साथ काम करने वाले कारीगरों और प्रत्येक वर्ष प्रवृत्ति प्रक्षेपण पद्धति के माध्यम से आते हैं।

"मेरा लक्ष्य - भ्रष्टाचार मुक्त भारत"

आयोग ने इस वर्ष का सतर्कता जागरूकता सप्ताह-उपरोक्त विषय के साथ मनाया

30 अक्तूबर से 4 नवंबर 2017 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह, केंद्रीय कार्यालय, मुंबई सहित आयोग के सभी कार्यालयों में भारत के लोहपुरूष स्वर्गीय श्री सरदार वल्लभभाई पटेल के जन्मदिन पर मनाया गया, जो 31 अक्तूबर को आता है।

इस अवसर पर केंद्रीय कार्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों ने संगठन को भ्रष्टाचार मुक्त करने की शपथ ली। इस अवसर पर मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री मोहित जैन ने उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों को अखंडता शपथ दिलाते हुए कहा कि सतर्कता जागरूकता सप्ताह को आयोजित करने का उद्देश्य- जनता को भ्रष्टाचार से संबंधित प्रथाओं के बारे में बड़े पैमाने पर शिक्षित करना है और उन्हें इसके बारे में कैसे रिपोर्ट करनी है, इस सम्बन्ध में भी जानकारी देना है।

इस अवसर पर मुंबई केंद्रीय कार्यालय आयोग के सतर्कता निदेशालय द्वारा एक कार्यशाला का आयोजन किया गया, जहाँ एचपीसीएल के (सेवानिवृत्त), महाप्रबंधक श्री डी.आर.तावटे ने भ्रष्टाचार पर जागरूकता पैदा करने के लिए एक घंटे का व्याख्यान दिया और उन्होंने बताया कि कैसे स्कूल और कॉलेज के छात्रों में भ्रष्टाचार मुक्त भारत का प्रतिबिम्ब स्थापित करना है। इसके अलावा आयोग द्वारा वी.पी. विद्यानिधि हाई स्कूल, जुहू, मुंबई और डी.जे. सांघवी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, मुंबई में 7 नवंबर 2017 को व्याख्यान आयोजित किया गया।

इसके अलावा खादी और ग्रामोद्योग आयोग के केन्द्रीय कार्यालय के अधिकारियों के लिए सतर्कता मामले पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार भी वितरित किए गए थे।

प्रत्येक वर्ष सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन आयोग के बहुआयामी दृष्टिकोण का हिस्सा रहा है, जिसे एक रणनीति के तहत सभी अधिकारियों को भ्रष्टाचार से निपटने और संघर्ष में भाग लेने और इसके अस्तित्व, कारणों और लोगों को भ्रष्टाचार से उत्पन्न खतरे और गंभीरता के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करना है।

आयोग के विभिन्न क्षेत्रीय कार्यालयों ने "भ्रष्टाचार मुक्त भारत" विषय पर अखंडता प्रतिज्ञा, जागरूकता ग्राम सभा, कर्मचारियों में प्रतियोगिता, सेमिनार / कार्यशाला और जागरूकता जैसे कई गतिविधियों का आयोजन किया।

आयोग के विभिन्न क्षेत्रीय कार्यालय जैसे राज्य कार्यालय, चेन्नई; राज्य कार्यालय, लखनऊ आदि में सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान विशेष गतिविधियाँ जैसे जागरूकता ग्राम सभा आदि संचालित करने के निर्देश दिए गए थे।

राज्य कार्यालय, चेन्नई ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह की अवधि के दौरान कार्यालय परिसर में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का बैनर प्रदर्शित किया। इसके अलावा, राज्य निदेशक और अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों ने शपथ ली। राज्य कार्यालय, चेन्नई में 07.11.2017 को एक सेमिनार आयोजित की, जहाँ आयोग के पूर्व सतर्कता अधिकारी श्री वी. गिरिराज ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

तमिलनाडु सर्वोदय संघ, त्रिपुरा में भी सतर्कता जागरूकता सप्ताह आयोजित किया गया।

राज्य कार्यालय, लखनऊ ने अपने कार्यालय, ग्राम स्वावलंबी विद्यालय, रैनवन, फैजाबाद और क्षेत्रीय श्री गांधी आश्रम, बाराबंकी में "भ्रष्टाचार मुक्त भारत" विषय पर तीन सेमिनारों का आयोजन किया। क्षेत्रीय श्री गांधी आश्रम, बाराबंकी में माननीय सांसद श्री पी.एल. पुनिया के प्रतिनिधियों सहित अन्य प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता जैसे डॉ. दिवाकर वासाक, सेवानिवृत्त निदेशक, अनुसूचित जाति/ जनजाति आयोग; पंचायत सदस्य श्री राम हरक सिंह रावत, कैनरा बैंक के प्रतिनिधि श्री अभिकोक मुखिया ने सेमिनार में हिस्सा लिया। राज्य कार्यालय लखनऊ द्वारा केजी विद्यालय, पतरंगा में भी एक अन्य कार्यशाला आयोजित की, जिसमें लगभग सौ

प्रशिक्षणार्थी, सामाजिक कार्यकर्ता जैसे श्री रघुनन्दन कुमार चौरसिया, श्री सुधीर कुमार, शिक्षाविद्, एनजीओ कार्यकर्ता और स्थानीय प्रशासन उपस्थित थे। राज्य कार्यालय लखनऊ ने सभी प्रतिभागियों को पेम्पलेट वितरित किये और सभी ने देश को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने के लिए प्रतिज्ञा ली।

राज्य कार्यालय, केरल ने आयोग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने 'सतर्कता जागरूकता सप्ताह' के दौरान अखंडता शपथ ग्रहण की। इस सप्ताह के दौरान कार्यालय में बैनर प्रदर्शित किया गया तथा कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर त्रिवेंद्रम सिटी पुलिस आयुक्त (आईपीएस) श्री पी. प्रकाश मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने इस अवसर पर 'सतर्कता जागरूकता सप्ताह' के महत्व तथा भ्रष्टाचार के उन्मूलन की आवश्यकता पर अपने विचार व्यक्त किये।

इस कार्यशाला में खादी संस्थाओं, डीआईसी और केरल खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड के प्रतिनिधि भी शामिल हुए।

कॉलेज के छात्रों और केवीआईसी के कर्मचारियों के बीच निबंध प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया, जिसका विषय 'माय विजन-करप्शन फ्री इंडिया' था। निबंध लेखन प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार / प्रमाण पत्र वितरित किए गए । प्रमाण पत्र के अलावा कॉलेज के छात्रों के लिए खादी सामग्री वितरित की गई । पुरस्कार विजेता अधिकारियों को नकद पुरस्कार के साथ प्रमाण पत्र दिए गए।

राज्य कार्यालय, कोलकाता में सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने 'सतर्कता जागरूकता सप्ताह' में कार्यालय में अखंडता की प्रतिज्ञा ली। इस संबंध में कार्यालय में बैनर प्रदर्शित किए गए । खादी संस्थानों द्वारा ऑनलाइन प्रतिज्ञा ली गई। झारग्राम में 02.11.2017 को जागरूकता ग्राम सभा कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

एमडीटीसी/ उप कार्यालय, हल्द्वानी

खादी महासंघ बरहमपुर में 03.11.2017 को कार्यशाला का आयोजन किया गया, इस कार्यक्रम में खादी संस्थाओं के प्रतिनिधि, स्थानीय जनता, बरहमपुर कोर्ट बार एसोसिएशन के अतिथि संकाय ने भाग लिया|

आयोग के राज्य कार्यालय, शिमला द्वारा माध्यमिक विद्यालय फागली, शिमला में निबंध और वाद-विवाद प्रतियोगिता के दौरान "मेरी विजन-भ्रष्टाचार मुक्त भारत" विषय पर एक कार्यशाला आयोजित की गयी।

राज्य कार्यालय, अंबाला

राज्य कार्यालय, देहरादून

एनएसकेएफडीसी के साथ कौशल विकास में अपनी उपस्थिति दर्ज कराती- खादी

नई दिल्ली: प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है - खादी, अब प्रधानमंत्री के एक और मिशन में अपनी उपस्थिति दिखाने के लिए तैयार है, अर्थात कौशल विकास के साथ- इस अनूठे मॉडल से, खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) उपेक्षित लोगों को मुख्यधारा से जोड़ेगा।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के एक राष्ट्रीय उपक्रम-'कर्मचारी राष्ट्रीय स्वच्छता कर्मचारी वित्त और विकास निगम' (एनएसकेएफडीसी) ने हाल ही में 310 उम्मीदवारों के लिए रोजगार से जुड़े कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए 48 लाख रुपये मंजूर किए हैं जिनमें से सफाई कर्मचारियों के लक्षित समूह से संबंधित कम से कम 40 प्रतिशत महिलाएं होंगी।

"कौशल विकास के क्षेत्र में अपना महत्त्व साबित करने के लिए, पहली बार खादी और ग्रामोद्योग आयोग को इस तरह का अवसर मिला है। श्री सक्सेना ने कहा, "सड़क का कूड़ा हटाने वाले कर्मी, क्लीनर्स और अन्य स्वच्छता कर्मचारियों हेतु रूपांतरण का यह एक अनूठा मॉडल है, जो 18 से 40 साल के बीच के अन्य सफाई कर्मचारियों को उचित परिवेश उपलब्ध करेगा। श्री सक्सेना ने आगे कहा, एक कुशल श्रमिक के रूप में समाज में स्थापित करने के लिए उन्हें "विभिन्न ट्रेडों में प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद खादी कताई, सिलाई, कढ़ाई कार्य और अन्य प्रशिक्षण, इन सफाई-कर्मचारियों को एक व्यापक परिवेश प्राप्त होगा, ताकि वे अपने जीवन में सम्मानजनक तरीके से नेतृत्व कर सकें। प्रशिक्षण के बाद, वे प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम से जुड़े सकेंगे - जहां उनकी नोडल एजेंसी खादी और ग्रामोद्योग आयोग उन्हें वित्तीय सहायता प्रदान करेगी, उन्हें उद्यमियों के रूप में स्थापित करने के लिए खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने पूर्ण सहयोग के साथ प्रधान मंत्री के कौशल विकास के मिशन को पूरा करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी है।"

इसी तरह के विचारों की पुष्टि करते हुए, केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री गिरिराज सिंह ने कहा कि कौशल विकास में अपनी उपस्थिति दिखाने के साथ खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने रोजगार सृजन वृद्धि में की है। "मुझे उम्मीद है कि कौशल विकास मिशन में अपनी भागीदारी के साथ खादी और ग्रामोद्योग आयोग - भारत में बड़े रोजगार के अवसर प्रदान करने वाले सबसे बड़े संगठनों में से एक है – जो इस क्षेत्र में भी नए मील का पत्थर हासिल करेगा।"

यह उल्लेखनीय है कि एनएसकेएफडीसी ने छह पाठ्यक्रमों जैसे- खादी कताई, अगरबत्ती-मोमबत्ती-चाक बनाना, सिलाई / कढ़ाई कार्य, जूते/चमड़े के सामान बनाना, भोजन/ सब्जी प्रसंस्करण और साबुन / फिनायल बनाना आदि को चिह्नित किया था, जिसमें 310 सफाई कर्मचारियों को, उत्तर प्रदेश में वाराणसी, शामली, बाराबंकी और बलिया आदि जिलों में खादी और ग्रामोद्योग आयोग के प्रशिक्षण केन्द्रों में प्रशिक्षित किया जाएगा।

सफाई कर्मचारी श्रेणी के उम्मीदवारों को भी वरीयता इसमें दी जायेगी, उन्हें गैर-आवासीय प्रशिक्षण के लिए प्रति उम्मीदवार को 1,500 रुपये वजीफा प्रति माह और आवासीय प्रशिक्षण के लिए 500 रुपये दिया जाएगा। इसके अलावा, मैनुअल सफाई श्रेणी के अंतर्गत आने वाले अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण अवधि के लिए एनएसकेएफडीसी द्वारा सीधे ही 3,000 रुपये मासिक वेतनमान प्राप्त होगा।

आयोग के केन्द्रीय कार्यालय मुंबई में आईएफएमएस प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन का एक दृश्य। इस कार्यक्रम का उद्घाटन आयोग की वित्त सलाहकार श्रीमती उषा सुरेश ने सूचना प्रौद्योगिकी के निदेशक श्री एम.राजन बाबू की उपस्थिति में किया।

आयोग ने मुंबई में आयोजित हैण्डमेड पेपर एक्सपो (पेपेरेक्स)में भाग लिया।

पेपेरेक्स एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध प्रदर्शनी और सम्मेलनों की श्रृंखला है, जो पेपर, पल्प और सभी संबद्ध उद्योगों पर केंद्रित है। यह एकमात्र व्यापक व्यापार मंच है जो पेपर उद्योग में काम करता है और पिछले कुछ सालों में, इस अग्रणी व्यवसाय की यह एक्सपो, पेपर और एलीइड इंडस्ट्रीज से संबंधित उत्पादों और सेवाओं के पूरे स्पेक्ट्रम को प्रदर्शित करने के लिए एक सही मंच प्रदान करता है।

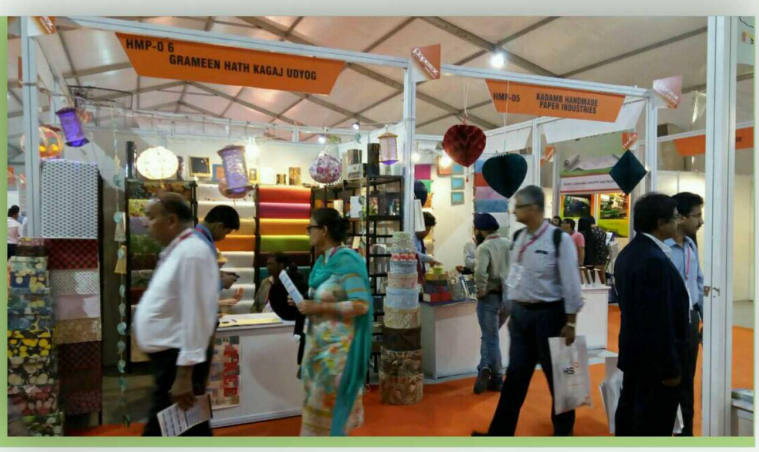

आयोग की सम्पन्न 650वीं बैठक के मुख्यांश

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की 650वीं बैठक का आयोजन श्री विनय कुमार, अध्यक्ष, खादी और ग्रामोद्योग आयोग की अध्यक्षता में दिनांक 27 अक्टूबर, 2017 को मुंबई में सम्पन्न हुई । इस बैठक में आयोग के निम्नलिखित सदस्य उपस्थित थे- श्री जय प्रकाश तोमर :आंचलिक सदस्य (मध्य अंचल); श्री जी. चन्द्रमौलि :आंचलिक सदस्य (दक्षिण अंचल); डॉ संगीता कुमारी :आंचलिक सदस्य (पूर्व अंचल); श्री अशोक भगत :विशेषज्ञ सदस्य(ग्रामीण विकास); डॉ हिना शफी भट्ट :आंचलिक सदस्य (उत्तर अंचल); डॉ शीला राय :विशेषज्ञ सदस्य (तकनीकी शिक्षा एवं प्रशिक्षण); श्री संदीप मिश्रा :डीजीएम, एसबीआई ; श्री बी. एच. अनिल कुमार : संयुक्त सचिव, एमएसएमई/मुख्य कार्यकारी अधिकारी, खाग्राआ; श्रीमती ऊषा सुरेश :वित्तीय सलाहकार, खादी और ग्रामोद्योग आयोग।

आयोग की 650वीं बैठक में प्रस्तुत कार्यसूची पर होने वाली चर्चा को सुगम व प्रभावी बनाने हेतु चर्चा के दौरान संबन्धित उप मुख्य कार्यकारी अधिकारियों को उनके कार्यक्रम/उद्योग निदेशकों के साथ बैठक में बुलाया गया।

श्री सत्य नारायण, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (आयोग प्रकोष्ठ) ने खादी और ग्रामोद्योग आयोग की 650वीं बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत किया। तदनंतर, कार्यसूची के विविध बिन्दुओं पर निम्नानुसार चर्चा की गई:-

1. सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा यथासंप्रेषित अनुदान की मांग के संबंध में संशोधित बजट योजना व गैर योजना (2017-18) तथा बजट आंकलन 2018-19 (गैर योजनागत) पर विचार कर अनुमोदन प्रदान करने हेतु बजट निदेशालय ने नोट प्रस्तुत किया।

अपेक्षित निर्णय:

I) उपरोक्त नोट में किए गए उल्लेख के अनुसार अनुदान की मांग के संबंध में संशोधित बजट आंकलन 2017-18 (योजनागत व गैर-योजनागत) तथा बजट आंकलन 2018-19 (गैर-योजनागत) को अनुमोदन प्रदान करते समय विशेषज्ञ सदस्य (ग्रामीण विकास) द्वारा यह सूचित किया गया कि हनी मिशन (खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा देशभर में आरंभ किया गया मिशन) हेतु निधि के आवंटन का उल्लेख ग्रामोद्योगी अनुदान के अंतर्गत भी स्पष्ट रूप से किए जाने की आवश्यकता है।

ii) उपरोक्त कार्यसूची पर विचार-विमर्श करते समय, संयुक्त सचिव, एमएसएमई/मुख्य कार्यकारी अधिकारी, केवीआईसी ने आयोग के सभी सदस्यों के संज्ञान में यह बात लायी कि वर्तमान में खादी और ग्रामोद्योग के अधीन स्वीकृत निधि के विविध शीर्षों को समामेलित करते हुए सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा यथाशीघ्र निम्न दो योजनाओं का शुभारंभ किया जाएगा। (1) खादी विकास योजना (2) ग्रामोद्योग विकास योजना। जिसके लिए आवश्यक कार्य पद्धति तैयार की जा रही है।

2. विपणन निदेशालय ने आईसीएसआई को उनके पणधारियों के उपयोग हेतु खादी उत्पाद को रियायत दर पर उपलब्ध कराने हेतु आईसीएसआई के साथ करार करने हेतु आयोग का सैद्धांतिक अनुमोदन प्राप्त करने के संबंध में प्रस्तुत नोट ।

लिया गया निर्णय : उपरोक्त नोट से यह विदित है कि आईसीएसआई, नई दिल्ली को उनके पणधारियों के

उपयोग हेतु खादी उत्पाद की खरीद में उन्हें 25 प्रतिशत छूट/रियायत देने से खादी क्षेत्र की तरफ अनेक नए ग्राहक/परिवार आकर्षित होंगे। अतः आईसीएसआई को उनके पणधारियों के उपयोग हेतु खादी उत्पाद को रियायत दर पर उपलब्ध कराने हेतु आईसीएसआई के साथ करार करने हेतु सैद्धांतिक अनुमोदन प्रदान किया गया।

3 . सम्पदा एवं सेवा निदेशालय ने अगरतला/ गोरखपुर व मोहाली में कार्यालय बिल्डिंग/स्टाफ क्वार्टर के निर्माण के संबंध में पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से नोट प्रस्तुत किया।

लिया गया निर्णय:

(ए) उपरोक्त नोट में यथाउल्लिखित विवरण के अनुसार, अगरतला, त्रिपुरा में कार्यालय बिल्डिंग के संयुक्त निर्माण हेतु अनुमोदन प्रदान किया गया।

(बी) गीडा, गोरखपुर में कार्यालय बिल्डिंग व स्टाफ क्वार्टर के निर्माण के संबंध में अन्य विवरण सहित पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से प्रस्तुत किए गए "दो बिल्डिंग मॉडल्स" में से एक को अनुमोदन प्रदान किया गया। यह भी निर्णय लिया गया कि इस कार्य हेतु खुली निविदा में राज्य सरकार के अभिकरण को भी शामिल किया जाना चाहिए।

(सी) उपरोक्त नोट में यथाउल्लिखित विवरण के अनुसार, मोहाली, पंजाब में एमडीटीसी- सह कार्यालय बिल्डिंग के निर्माण हेतु अनुमोदन प्रदान किया।

(डी) उपरोक्त नोट पर चर्चा करते समय, सदस्य (दक्षिण अंचल) ने यह बताया कि खादी संस्थाओं द्वारा केवीआईसी को तमिलनाडु में प्रदत्त भूमि में से अप्रयुक्त भूमि के एक छोटे से टुकड़े (60x40 स्क्वायर) को संकरन कोविल सर्वोदय संघ (अल्प कालिक पट्टे के आधार पर केवीआई के बिक्री केन्द्रों की स्थापना हेतु खादी और ग्रामोद्योग आयोग की एक सीधी सहायता प्राप्त संस्था) को देने हेतु मंडलीय कार्यालय, केवीआईसी, मदुरै द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव लंबित है।उपरोक्त लंबित प्रस्ताव पर विचार-विमर्श करने के उपरांत यह निर्णय लिया गया कि सम्पदा एवं सेवा निदेशालय, केवीआईसी इस संबंध में आगामी बैठक में उचित निर्णय हेतु नोट प्रस्तुत करे।

4. वर्तमान आयोग के दौरान विभिन्न निदेशालयों द्वारा की गई पहल/उपलब्धि।

लिया गया निर्णय:

(i) वर्तमान आयोग के दौरान विभिन्न निदेशालयों द्वारा की गई पहल/उपलब्धि की सराहना करते हुए विशेषज्ञ सदस्य (तकनीकी शिक्षा एवं प्रशिक्षण) ने प्रचार निदेशालय (केवीआईसी) द्वारा आयोजित लोक शिक्षण कार्यक्रम (पीईपी) पर और जानकारी प्राप्त करने की इच्छा व्यक्त की । इस संबंध में निदेशक (प्रचार) ने पीईपी के बारे में जानकारी दी तथा उन्हें विशेषज्ञ सदस्य (तकनीकी शिक्षा एवं प्रशिक्षण) को उक्त कार्यक्रम तथा राजस्थान राज्य में संचालित पीईपी संबंधी सम्पूर्ण विवरण से अवगत करने का निर्देश दिया गया।

(ii) खादी क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न स्टोर पर ग्राहकों की संख्या को बढ़ाने हेतु विभिन्न भौगोलिक स्थानों पर ग्राहकों को आसानी से खादी इंडिया सेल्स आउटलेट का पता लगाने में सहायता करने हेतु मोबाइल ऐप के माध्यम से स्टोर लोकेटर क्रिएट करने संबंधी खादी और ग्रामोद्योग आयोग की योजना के संबंध में विशेषज्ञ सदस्य (तकनीकी शिक्षा एवं प्रशिक्षण) ने इस बात पर ज़ोर दिया कि नए बिक्री केंद्र खोलते समय खादी और ग्रामोद्योग आयोग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बिक्री केंद्र की लोकेशन (स्थान) ऐसी जगह हो, जहां इस महत्वपूर्व संसाधनों के समुचित व प्रभावी उपयोग हेतु ज्यादा से ज्यादा ग्राहक बिक्री केंद्र की ओर आकर्षित हों।

(iii) खादी कारीगरों की कुल संख्या के संबंध में विशेषज्ञ सदस्य (तकनीकी शिक्षा व प्रशिक्षण) द्वारा मांगे गए जवाब के संबंध में संयुक्त सचिव, एमएसएमई/मुख्य कार्यकारी अधिकारी, खाग्राआ ने स्पष्टीकरण दिया।

5. संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा जारी नोट दिनांक 13/9/2017 में यथाउल्लिखित मासिक अनुसूची के अनुसार पीएमईजीपी व विपणन निदेशालय द्वारा पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन।

लिया गया निर्णय:

I:- पीएमईजीपी निदेशालय द्वारा प्रस्तुत चर्चा से अंततः निम्नलिखित निर्णय लिए गए।

(क) वर्ष 2016-17 के दौरान (रु. 1082.90 करोड़ के आवंटित मार्जिन मनी लक्ष्यांक को पार करते हुए) प्राप्त उपलब्धि (रु 1280.94 करोड़) हेतु प्रशंसनीय/उत्कृष्ट कार्य के लिए संबन्धित पदाधिकारियों को प्रशंसा पत्र जारी किया जाएगा।

(ख) स्लाइड संख्या 12 में आवश्यक संशोधन किया गया, जिसमें प्रति परियोजना औसत रोजगार, रोजगार सृजित करने वाली इकाई की औसत लागत, रोजगार सृजित करने वाली इकाई की अधिकतम लागत,रोजगार सृजित करने वाली इकाई की न्यूनतम लागत एवं प्रति परियोजना औसत लागत इत्यादि दर्शाये गए है।

(ग) विशेषज्ञ सदस्य (ग्रामीण विकास) के सुझाव के अनुसार, पीएमईजीपी के अंतर्गत एससी/एसटी परियोजना हेतु आवंटित लक्ष्यांक को प्राप्त करने के लिए अपनी कार्यनीति को अत्यंत प्रभावी बनाने हेतु एससी/एसटी की राज्यवार जनसंख्या को सुनिश्चित किया जाएगा।

(घ) विशेषज्ञ सदस्य (ग्रामीण विकास) के सुझाव के अनुसार, एससी/एसटी परियोजनाओं के अधीन आवंटित लक्ष्यांकों को प्राप्त करने के लिए कार्य-योजना में, यदि आवश्यक हो, पीएमईजीपी निदेशालय के पास उपलब्ध आंकड़ों का उपयोग पीएमईजीपी के अंतर्गत अधिकांशतः एससी/एसटी उद्यमियों द्वारा निष्पादित गतिविधियों/परियोजनाओं को चिन्हित करने में किया जाए, जिससे कि भविष्य में अपेक्षित सुधार किया जा सके।

(ङ) पीएमईजीपी के अंतर्गत ईडीपी प्रशिक्षण आयोजित करने हेतु खादी और ग्रामोद्योग आयोग के विभागीय प्रशिक्षण केन्द्रों को पृथक लक्ष्यांक आवंटित किए जाए, जिससे कि खादी और ग्रामोद्योग आयोग के पास उपलब्ध जनशक्ति का प्रभावी उपयोग हो सके।

(च) पीएमईजीपी परियोजना तैयार करने में उद्यमियों की सहायता करने हेतु पूर्व में सभी क्षेत्रीय कार्यालयों में स्थापित आरआईसीएस (क्या यह आयोग द्वारा अनुमोदित है) के पुनरुद्धार हेतु आरएसईटीआई का उपयोग किया जाय।

(छ) विशेषज्ञ सदस्य (ग्रामीण विकास) के सुझाव के अनुसार, "पीएमईजीपी आवेदनों को ऑनलाइन प्रस्तुत करने" संबंधी प्रशिक्षण देने हेतु उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (पीएमईजीपी), उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (ग्रामोद्योग) तथा निदेशक (पीएमईजीपी) द्वारा एक एकीकृत योजना बनाई जानी चाहिए।

(ज) पीएमईजीपी के अंतर्गत ट्रेडिंग गतिविधि को अनुमति प्रदान करने हेतु एक परिपत्र जारी किया जाएगा।

(झ) सफलता की कहानियों से संबन्धित पुस्तक को प्रकाशित करने हेतु अध्यक्ष, खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अनुमोदन से संकलित किया जाना चाहिए।

II:- **विपणन निदेशालय द्वारा की गई प्रस्तुति पर चर्चा के उपरांत निम्नलिखित निर्णय लिए गए:-**

(क) सदस्य (मध्य अंचल), खादी और ग्रामोद्योग आयोग के सुझाव के अनुसार, रेलवे को की गई सरकारी आपूर्ति की जानकारी प्रस्तुत की जाए।

(ख) सरकारी आपूर्ति के क्षेत्र में वर्ष 1999 से लंबित मामले

के निबटान हेतु रेल मंत्रालय को प्राथमिकता के आधार पर एक पत्र भेजने की आवश्यकता है।

(ग) स्कूल के विद्यार्थियों की यूनिफॉर्म हेतु आपूर्ति आदेश प्राप्त करने के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय से संपर्क किया जाना चाहिए, जिससे कि खादी की बिक्री में वृद्धि हो सके।

(घ) फ्रेंचाइजी बिक्री केंद्र खोलने हेतु "70" सेट का लक्ष्यांक प्राप्त किया जाना चाहिए।

6. खानवा, जिला-नवादा, बिहार में ऑरगैनिक ग्रोथ प्रमोटर विनिर्माण इकाई के रूप में स्थापित की जाने वाली एमिनो एसिड की मॉडल पाइलट परियोजना पर जैव प्रौद्योगिकी निदेशालय द्वारा प्रस्तुत नोट।

लिया गया निर्णय:

खानवा, जिला नवादा, बिहार में कार्यरत भारतीय हरित खादी ग्रामोद्योग संस्थान, लखनऊ द्वारा रु. 17.50 लाख की लागत से 05 इकाइयों सहित उपरोक्त परियोजना को अनुमोदन प्रदान किया गया तथा उपरोक्त व्यय की पूर्ति ग्रामोद्योगी अनुदान के अंतर्गत संवर्धनात्मक अनुदान घटक से की जाएगी।

7. आंचलिक प्रमाणपत्र समिति द्वारा प्रमाणपत्र जारी करने करने संबंधी नोट।

लिया गया निर्णय:

खादी और ग्रामोद्योग आयोग अधिनियम में किए गए उल्लेख के अनुसार केंद्रीय प्रमाणपत्र समिति व आंचलिक प्रमाणपत्र समिति को सक्षम बनाने हेतु आंचलिक प्रमाणपत्र समिति को आंचलिक प्रमाण पत्र समिति से अलग (डीलिंक) करने के संबंध में उपरोक्त नोट में उल्लिखित विवरण के आधार पर अनुमोदन प्रदान किया गया।

स्व-प्रेरित निर्णय

I) ग्रामोद्योगी क्षेत्र से जुड़े कारीगरों हेतु डाटा बैंक तैयार करना

ग्रामोद्योग के विकास पर चर्चा करते समय, विशेषज्ञ सदस्य (ग्रामीण विकास) ने खादी और ग्रामोद्योगी क्षेत्र के अलावा ग्रामोद्योगी क्षेत्र में कार्यरत कारीगरों हेतु राज्य-वार डाटा बैंक तैयार करने की आवश्यकता को स्पष्ट किया। इस संदर्भ में उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (अर्थ अनुसंधान) तथा निदेशक (अर्थ अनुसंधान) ने यह सूचित किया कि खादी और ग्रामोद्योगी क्षेत्र के अंतर्गत ग्रामोद्योगी संस्थाओं की मैपिंग का कार्य खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा किया गया है। तथापि, सभी सदस्यों ने इस बात पर सहमति व्यक्त की है कि यदि हम (खादी और ग्रामोद्योगी क्षेत्र के अलावा) ग्रामोद्योगी क्षेत्र में कार्यरत कारीगरों हेतु राज्य-वार डाटा बैंक संकलित करने का कार्य अन्य राज्य/केंद्र सरकार के विभागों से संपर्क स्थापित कर करेंगे, तो ग्रामोद्योगी क्षेत्र को विकसित करने हेतु प्रभावी योजना तैयार करने में खादी और ग्रामोद्योग आयोग को मदद मिलेगी।

II) सभी राज्य खादी और ग्रामोद्योग मंडलों के अध्यक्ष/मुख्य कार्यकारी अधिकारी को आमंत्रित कर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन करना।

विशेषज्ञ सदस्य (ग्रामीण विकास) ने सभी राज्य खादी और ग्रामोद्योग मंडलों के अध्यक्ष/मुख्य कार्यकारी अधिकारी को आमंत्रित कर खादी और ग्रामोद्योग हेतु न्यूनतम साझा कार्यक्रम पर एकमत बनाने के लिए एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित करने पर ज़ोर दिया। उपरोक्त कार्यशाला के आयोजन हेतु कार्यसूची तैयार की जाएगी तथा १० दिन के भीतर इसे अनुमोदन प्रदान किया जाएगा और माननीय मंत्री, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार की सुविधा/उपलब्धता को देखते हुए इसका आयोजन किया जाएगा।

वित्तीय लेखा परीक्षा का संचालन:

1. खादी संस्थाओं की यूसी लेखा परीक्षा सहित सभी वित्तीय लेखा परीक्षा का संचालन आयोग की लेखा परीक्षा टीम के बजाय सीएजी अनुमोदित/एमपैनल्ड लेखा परीक्षा फर्म द्वारा करना।
2. लेखा परीक्षा शुल्क का भुगतान संस्थाओं द्वारा किया जाएगा।
3. जब कभी भी लेखा परीक्षा निदेशालय द्वारा कार्यक्रम का विवरण जारी किया जाएगा तो उस स्थिति में नमूना जांच लेखा परीक्षा का संचालन खादी और ग्रामोद्योग आयोग के लेखा परीक्षकों द्वारा किया जाएगा।
4. विभागीय यूसी लेखा परीक्षा, विभागीय ट्रेडिंग लेखा परीक्षा, विभागीय सी एंड सी लेखा परीक्षा हेतु 'केवीआईसी की ऑडिट टीम को पदस्थ किया जाएगा तथा वे अनुलग्नक 'ए' में उल्लिखित भूमिका व उत्तरदायित्व के अनुसार राज्य/मंडलीय कार्यालयों के लेखा के अनुरक्षण में राज्य/मंडलीय निदशकों की सहायता करेंगे।

II) विभागीय बिक्री केन्द्रों हेतु प्रोत्साहन योजना

जहां तक विभागीय बिक्री केन्द्रों हेतु प्रोत्साहन योजना पर लिए गए निर्णय (आयोग की दिनांक 21/8/2017 को श्रीनगर में सम्पन्न 648वीं बैठक में कार्यसूची मद संख्या 3 के अंतर्गत, जिसे आयोग की दिनांक 26/9/2017 को सम्पन्न 649वीं बैठक के कार्यवृत्त के अनुलग्नक-I के अंतर्गत प्रस्तुत किया गया है) का संबंध हैं तो इस संबंध में 650वीं बैठक में यह निर्णय लिया गया है कि पूर्व निर्धारित बिक्री लक्ष्यांक की प्राप्ति पर प्रदत्त प्रोत्साहन राशि केवल काउंटर पर हुई कुल बिक्री पर ही प्रदान की जाएगी, न की कुल बिक्री पर । इस प्रकार, उपरोक्त बिन्दु पर पूर्व में लिए निर्णय में निम्नानुसार संशोधन किया गया है- :

उपरोक्त योजना सभी इकाइयों में कार्यान्वित की जाएगी। (चाहे वह लाभ में हो अथवा हानि में)। कुल प्रोत्साहन की 60 प्रतिशत राशि काउंटर पर बिक्री करने वाले व्यक्ति के लिए होगी तथा शेष 40 प्रतिशत प्रोत्साहन राशि का वितरण सभी सहायक स्टाफ/व्यक्तियों में किया जाएगा।

लक्ष्यांक प्रोत्साहन के संबंध में पूर्व में लिए गए निर्णय आयोग की दिनांक 27/10/2017 को सम्पन्न 650वीं बैठक में लिया गया निर्णय लक्ष्यांक प्राप्ति पर तथा इसके अतिरिक्त 10 प्रतिशत तक कुल बिक्री का 0.5 प्रतिशत कुल काउंटर बिक्री का 0.5 प्रतिशत यदि बिक्री में 10 से 20 प्रतिशत की वृद्धि होती है तो कुल बिक्री का 0.5 प्रतिशतकुल काउंटर बिक्री का 0.75 प्रतिशतयदि बिक्री में 20 प्रतिशत अथवा इससे अधिक वृद्धि होती है तो कुल बिक्री का 1 प्रतिशतकुल काउंटर बिक्री का1 प्रतिशत

कार्रवाई : निदेशक (विपणन)

****

प्रेस कवरेज

6 NEWS SPECIAL REPORT

Mail Today, New Delhi, Saturday, November 25, 2017

The who's who of Indian fashion industry speak about emerging trend

'KHADI CAN LIGHT SOMEONE'S HOME'

REINVENTING KHADI

Fashion Design Council of India president Sunil Sethi with KVIC chairman Vinai Kumar Saxena.

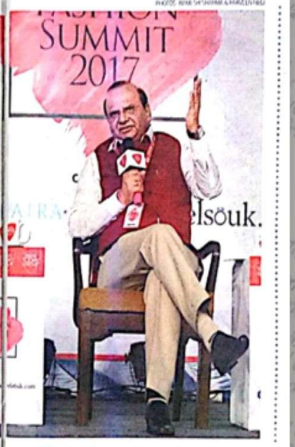

By Mail Today Bureau in New Delhi

BESTOWING the title of 'jewel of India' on khadi, Vinai Kumar Saxena, chairman of Khadi and Village Industries Commission (KVIC), began the session on 'Reinventing Khadi' by explaining what the fabric truly means.

"Khadi means honesty, dedication, sincerity and purity. There is no country in the world where a fabric has played such an important role in its independence," he said, referring to the fact that Mahatma Gandhi made the handwoven fabric a symbol of resistance during British Raj.

Keeping its historical importance aside, Saxena also spoke about its modern day benefits. "Khadi has zero carbon footprint," he said. "If you want to save the environment then you should use khadi. While one metre of khadi consumes ... litres of water a textile mill fabric uses 56 litres of water. Not only that, since the fabric is woven by workers in villages, you would also be helping someone earn their livelihood if you were to buy khadi. When you buy khadi, you are helping someone light a lamp in his home."

Saxena feels the future of the fabric itself is pretty bright, more so with the "introversion" of brands such as Raymond, which partnered with KVIC this year to sell khadi products. "Raymond has 700 stores in the country, and khadi products will be available in all of them. KVIC itself has 8650 stores across India — in the remotest parts as well as metros," said Saxena.

FASHION SUMMIT 2017

38 firms, including Fabindia, sent legal notices

... of an Indian citizen" to wear the fabric, Saxena said the Indian Navy has already adopted khadi in their uniforms. "The Army has also given orders, and police forces of Delhi, Maharashtra and Gujarat also wear it. We are taking orders based on our capacity since khadi is a handwoven fabric and it takes time to produce it. The reach of khadi, nevertheless, has increased," he said.

Digitisation has also helped mat-

text," he said, adding, "Everything is transparent now, and it's much easier to pay the workers as well."

Saxena also took time out to clear the air on a few matters. Talking about the brad notice KVIC sent to Fab India, Saxena explained it was done since "Fab India was selling mill-made products in the name of khadi". "It is our duty to protect the brand of khadi and make sure that pure khadi is sold in the market. We have sent similar notices to 17 other companies," he said.

Talking about a broader issue, Saxena said, "In the past, khadi was used as a political tool, and was used only with Mahatma Gandhi's name. But now, the government is trying to get back its glory."

After being prodded by session chair Sunil Sethi, president of Fashion Design Council of India, who asked why KVIC wasn't playing a more active role in ensuring that khadi gets more coverage, Saxena explained how PM Narendra Modi himself has been a huge supporter of khadi.

He said, "In the past, Modi has said, 'Instead of presenting me with a bouquet, why don't you present me with a khadi handkerchief?' We employ women from militancy-affected families, in Jammu and Kashmir to weave khadi handkerchiefs. And this year, we have seen 92 crore sales from handkerchiefs alone."

Khadi has zero carbon footprint. If you want to save the environment, then you should use khadi.

The Army has also given orders, and police forces of Delhi, Maharashtra and Gujarat also wear khadi.

There is no country in the world where a fabric has played such an important role in its independence.

– Vinai Kumar Saxena, Chairman, Khadi & Village Industries Commission

Most parents think if a child is not able to do medical or engineering, they should look for a career in fashion designing. I do not understand how one career can be an alternative for another.

Aditya Birla, Co-founder & pro-chancellor, Apeejay Siva University

अवृठा विरोध

नई दिल्ली में बृहस्पतिवार को अनोखे तरीके से दिल्ली में स्मॉग और प्रदूषण का विरोध किया गया। ग्यारह मूर्ति स्थित बापू और उनके अनुयायियों की प्रतिमा को भी प्रदूषण विरोधी मास्क पहनाया गया।

महाराष्ट्र : चिता सजाकर 90 वर्षीय महिला ने खुद लगा ली आग

मुंबई। पश्चिमी महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले में अपने घर में एक 90 वर्षीय महिला ने कथित तौर पर अपनी चिता सजाकर आत्महत्या कर ली। एक अधिकारी ने बुधवार को कहा कि कलव्वा दादु कांबले नामक महिला ने कागल तहसील के बमानी नामक गांव में 13 नवंबर की रात को अपनी जान दे दी। उन्होंने कहा कि मृतक महिला गांव में अपने 57 वर्षीय बेटे विट्ठल के घर के बगल में अकेले रहती थी। एजेंसी

अब मॉल में भी बिकेगी खादी

मुंबई। खादी को घर-घर तक पहुंचाने में जुटा खादी और ग्रामोद्योग संस्थान ने अब मॉल में खादी कार्नर खोलने की कवायद शुरू की है। इसको लेकर बृहस्पतिवार को मुंबई में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में रिटेल चैन लीडर्स के साथ बैठक की। प्रमुख रिटेलरों के साथ बैठक के उपरांत लघु व मध्यम उद्योग मंत्रालय के प्रधान सचिव डॉ अरुण कुमार पांडा ने कहा कि हमारा मकसद खादी ब्रांड को देश के सभी मॉलों में उपलब्ध कराना है। ब्यूरो

Minister of States (Independent Charge) for Micro, Small and Medium Enterprises (MSME) Giriraj Singh inaugurated the exclusive Khadi Pavilion of Khadi and Village Industries Commission (KVIC) at 37th edition of India International Trade Fair at Pragati Maidan on Tuesday

SUNDAY TIMES
Bennett, Coleman & Co. Ltd.
NOVEMBER 12, 2017 | PAGES 26 | INCLUDING TIMES LIFE! & NASHIK TIMES | TIMESOFINDIA.COM | EPAPER.TIMESOFINDIA.COM
OF INDIA

State to open 2 khadi outlets in each district shortly

Tushar.Pawar@timesgroup.com

Nashik: The Maharashtra State Khadi Village and Industries Board (MSKVIB) has decided to set up around three outlets in each district of the state to market and brand 'khadi' and other products made by village artisans.

Chief minister Devendra Fadnavis, along with state industry minister Subhash Desai will open the first such outlet will be opened in Pune on November 16.

MSKVIB chairman, Vishal Chordiya, told TOI that several initiatives were taken up to promote khadi products across the state. He inaugurated the three-day khadi festival, Khadi Mahayatra that started in Nashik on Saturday.

"We have taken initiatives to brand and market khadi products in the state. Our aim is to market various products crafted by village artisans. We have also undertaken a 'Mahakhadi

MSKVIB chairman, Vishal Chordiya, told TOI that several initiatives were taken up to promote khadi products across the state. He inaugurated the three-day khadi festival, Khadi Mahayatra that started in Nashik on Saturday

Yatra' project to be held in 20 districts in the state," Chordiya said.

According to him, the board will open its first khadi outlet in Pune to market and brand the khadi and other products made by village artisans. "This is a pilot project and such outlets will be opened in each district to promote khadi and other products by village artisans," he said.

The state khadi board plans to promote solar 'charkhas' to produce khadi across state and the pilot project has been started in Amravati. "Khadi is handwoven fabric and we want the Centre to announce the promotion made by solar charkhas as khadi. We are already in talks with the state on the issue. Such projects of solar charkhas will be launched in other districts across the state," he said.

The khadi festival has around 35 stalls, including khadi, honey, fruit drinks and other products made by the village artisans have been showcased at the khadi festival, being held at Hutatma Smarak.

Apart from Khadi, their total 126 different products that comes under Maharashtra State Khadi Village Industrial Board. This includes products from agriculture, food processing to Khadi. Around 35% subsidy with project up to Rs 25 lakh is provided to entrepreneurs from rural areas under the Prime Minister Employment Scheme.

The solar charkha on display at the Khadi festival that began in Nashik on Saturday

प्रेस कवरेज

Khadi artisans exhibit their skills at IITF

OUR CORRESPONDENT

Amid much fervour and gaiety, Giriraj Singh, Minister of State (Independent Charge) for Micro, Small and Medium Enterprises (MSME) inaugurated the exclusive Khadi Pavilion of Khadi and Village Industries Commission (KVIC) at the 37th edition of India International Trade Fair (IITF) at Pragati Maidan on Tuesday.

The theme of this one of the largest trade fairs for this edition is 'Start-up India: Stand up India'.

KVIC has set up over 100 stalls, in which various Khadi and Village Industries institutions from nearly all the states of the country are showcasing the most exquisite products created by the genuine fingers of rural artisans. This iconic annual event of India Trade Promotion Organisation (ITPO) would give a proper platform to the rural artisans to showcase their skills in the national Capital.

Expressing happiness and enthusiasm, after formally inaugurating the pavilion, the MSME minister said that the commitment and zeal shown by the artisans and entrepreneurs indicate that the whole nation has taken the appeal and observation of Prime Minister Narendra Modi. "Only with this degree of dedication, we can follow our PM's doctrine of 'Earlier Khadi for the nation, then Khadi for fashion and finally Khadi for transformation'. Ministry has already chalked out some plans to brighten and enhance the artisans associated with Khadi and Village Industries," he said.

Corroborating similar views, KVIC Chairman Vinai K Saxena said that with such an enthusiastic approach of artisans and entrepreneurs, Khadi and Village industries are all set to catch the show. "KVIC as a team will always try to yield the best results with its social commitment," he said, adding, "We always try to stand as per the expectations and love of our PM for Khadi and village industries."

Secretary, MSME, Dr Arun Kumar Panda and noted fashion designer Ritu Beri were also present on this occasion.

The much awaited, 37th India International trade fair (IITF) kickstarted on November 14 with a participation of approximately 21 countries and 3000 companies. The 'business days' for the mega fair fall is from November 14 to 17 whereas, for the general public, the fair will be open from November 18 to 27. From November 18, the fair will be open to all visitors with a ticket price of Rs 60 for adults and Rs 40 for children.

However, on Saturday and Sunday as well as any holiday between November 18 and 27, the ticket price for adults will be Rs 120 and Rs 60 for children.

Charkha spinning Valley out of terror

By Karishma Kuenzang

CAN charkha and khadi be used to fight militancy? If the experience of the Khadi & Village Industries Commission (KVIC) in Jammu & Kashmir is anything to go by, it is very much a possibility — and with amicable results.

"Employment is how you can contain militancy," said KVIC chairperson Vinai Kumar Saxena, adding how khadi is not just a fabric. "India is probably the only country where a fabric has played such a major role in the country's independence."

He reminded a khadi training institute in Pampore — 22km from Srinagar — famous for chinar trees, under which Mahatma Gandhi once sat and gave charkha trainings. The institution was destroyed in the height of militancy and was revived in August this year. "A bust of Mahatma Gandhi has also been established there, the first such structure in the Srinagar Valley. We were warned by security forces not to visit Pampore and advised to stay for a maximum of 10-15 minutes. We were there for three hours."

KVIC has established normal as well as solar charkhas there. "Local artisans have also made a charkha, which has been displayed at the institution," he said, reminding: "We've also given them bee boxes to start honey production. We're going back again."

Another institution KVIC has revived is at Nagrota in Jammu, where they have started a stitching centre for ladies of militancy-affected families. They currently have 296 women making napkins, etc, adds Saxena.

In September KVIC also revived an institution in Varanasi which was established in 1946, spread around 20 acres. Mahatma Gandhi and Rajendra Prasad had stayed there. "But, it was converted into a jungle and closed in 1990. Today, 520 women are working there," says Saxena.

4.69L
jobs KVIC created last year via PM's employment generation plan

2,378
no. of institutions involved in the job-creation process

> Employment is how you can contain militancy. India is probably the only country where a fabric has played such a major role in the country's independence.

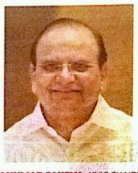

> This was Gandhi's vision. Now our PM has realised that this is the only way we can create employment. Hence, the govt is focusing on khadi.

VINAI KUMAR SAXENA, KVIC CHAIRMAN

Pointing out that there are memorials of soldiers and netas, but khadi artisans who have also played a major role in the country's independence, have been ignored in terms of recognition and the effect the adoption of charkha by lakhs of people, lead by Gandhi, had on the country's independence struggle, Saxena adds, "This was Gandhi's vision before independence and now our PM has realised that this is the only way we can create employment and hence, the government is focusing on khadi. The PM himself is propagating khadi."

J&K's Khadi & Village Industries Commission is creating huge employment

Last year alone through the PM employment generation programme, KVIC has managed to create 4.69 lakh jobs via their 2,378 institutions. They first survey an area and check its potential — if women are interested in spinning and weaving.

"Their Aadhaar card, bank account and other details are given to the institution, which then trains them. We also pay them ₹200 per day. After they complete their training, they get charkhas and looms, and also start earning wages. Once a week people go and collect the products," explains Saxena.

Earlier, it was difficult to register as a khadi institution as it was a three-year-long process. But today, you can get the registration done in 45 days.

The government has also recognised the fact that charkha is basic tool of khadi, and so, has given out 29,000 charkhas, as opposed to the previous government which only gave 125 charkhas during their tenure. "Khadi institutions and charkhas are the backbone of khadi," says Saxena, adding that they have also digitised the whole procedure for transparency and to stop exploitation of the artisans.

"The payment of spinners and weavers goes directly to their account and there are no middlemen involved. Unlike earlier, today, if the customer spends ₹100 on khadi, ₹40 goes to the artisan," adds Saxena.

KVIC will be opening a few stores outside the country — one each in Dubai, US and UK.

KVIC को रिटेल चेन कंपनियों का साथ
बाजार में खादी कॉर्नर

कार्यालय संवाददाता

मुंबई. देश के हर बाजार और दुकानों तक खादी उत्पादों को पहुंचाने के लिए खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने रिटेल चेन कंपनियों का सहारा लेने का निर्णय लिया. इसके तहत केवीआईसी ने देश के सभी मॉल्स और रिटेल चेन स्टोर खादी कॉर्नर शुरू करने की योजना बनाई है. इसके लिए गुरुवार को वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में प्रमुख रिटेल चेन कंपनियों के सीईओ के साथ केवीआईसी के अध्यक्ष वी.के. सक्सेना, एमएसएमई मंत्रालय के सचिव ए.के. पांडा, संयुक्त सचिव बी. एच. अनिल कुमार ने मुलाकात की. ताकि देश के हर बाजार और मॉल्स में आसानी से खादी को पहुंचाया जा सकें. ए.के. पांडा ने कहा कि हमारा मकसद खादी ब्रांड को देश के सभी मॉल्स में उपलब्ध कराना है.

सभी मॉल्स पर मिलेंगे खादी सामान

इसी बात की संभावना तलाशने के लिए विभिन्न कम्पनियों के सीइओ के साथ बैठक आयोजित की गई. प्रत्येक मॉल में हर ब्रांड का कार्नर होता है, उसी तर्ज पर खादी कार्नर खोला जाएगा. खादी कार्नर के प्रति लोगों को आकर्षित करने के लिए युवा डिजाइनरों और युवा सेलिब्रिटी से चर्चा की जा रही है. केवीआईसी के अध्यक्ष विनय सक्सेना ने कहा कि रेमंड टेक्सटाइल्स, रिलायंस रिटेल, शापर्स स्टॉप, क्रोमा-इन्फिनिटी मॉल, अपना बाजार, हीरानंदानी जैसे दिग्गज रिटेल चेन लीडर्स ने खादी कार्नर खोलने के प्रति सकारात्मक रुख दिखाया है. जल्द ही बिजनेस प्रपोजल सहित पूरी तैयारी के साथ दोबारा बैठक होगी. उसके बाद मॉल में खादी कार्नर बनाने की योजना को अंतिम रूप दिया जाएगा. बैठक में डिजाइनर रितु बेरी, नीता लुल्ला भी शामिल हुई.

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना जयपुर में

जयपुर.कासं। खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना और सदस्य (उत्तर क्षेत्र) डॉ हिना शफी भट्ट दो दिवसीय प्रवास पर जयपुर पहुंचे और बजाज नगर स्थित राजस्थान खादी ग्रामोद्योग संस्था संघ में राजस्थान की खादी संस्थाओं के साथ बैठक में खादी और ग्रामोद्योग संस्थाओं के प्रतिनिधियों, कत्तिन-बुनकरों, कामगारों और कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। नई दिल्ली से जयपुर आगमन के दौरान सक्सेना और डॉ भट्ट ने शाहपुरा में स्थित आयोग से सीधे वित्त पोषित संस्था उद्योग मंदिर, आमेर द्वारा संचालित पूणी संयंत्र का अवलोकन किया। इस अवसर पर खादी और ग्रामोद्योग आयोग, जयपुर के निदेशक ए के गर्ग, राजस्थान खादी ग्रामोद्योग संस्था संघ के अध्यक्ष राम दास शर्मा, आयोग के पूर्व दक्ष सदस्य बनवारी लाल गौड़, अखिल भारतीय प्रमाण पत्र समिति के पूर्व अध्यक्ष राम भरोसी लाल गुप्ता, खादी और ग्रामोद्योग आयोग उत्तर क्षेत्र समिति के सदस्य राजेंद्र अग्रवाल, उद्योग मंदिर आमेर के मंत्री अशोक शर्मा के अतिरिक्त खादी जगत के अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

प्रेस कवरेज

खादी पैवेलियन का गिरिराज सिंह ने किया उद्घाटन

नई दिल्ली, लोकसत्य

केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरिराज सिंह ने 37वें अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में खादी ग्रामोद्योग आयोग के हाल नंबर 7 में खादी पैवेलियन का उद्घाटन किया। इस बार ट्रेड फेयर को स्टॉर्ट अप इंडियाः स्टैंड अप इंडिया थीम पर आयोजित किया जा रहा है।

पैवेलियन का उद्घाटन के अवसर पर खादी ग्रामोद्योग आयोग के चेयरमैन विनय कुमार सक्सेना, मंत्रालय सचिव डॉ. अरुण कुमार पांडा, ज्वाइंट सेक्रेटरी अनिल कुमार, आयोग के सीईओ बीएच अनिल कुमार, डिप्टी सीईओ सत्य नारायण शुक्ल, आयोग के सदस्य जयप्रकाश तोमर, मशहूर फेशन डिजाइनर रितु बेरी के अलावा अन्य प्रमुख लोग भी मौजूद थे। केंद्रीय राज्यमंत्री गिरिराज सिंह ने पैवेलियन का उद्घाटन द्वीप प्रज्वलित करके और बीचोंबीच लगी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर किया।

सिंह ने खादी के जनक राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को नमन किया। इस अवसर पर मंत्री सिंह ने पैवेलियन में लगे सभी स्टॉलों को अधिकारियों के साथ अवलोकन किया। साथ ही स्टॉल लगाने वाले सभी लोगों को खादी का प्रचार व प्रसार करने में और तेजी से जुट जाने का आग्रह भी किया।

मंत्री सिंह ने कई स्टॉलों पर व्यक्तिगत रूप से रूचि दिखाते हुये खादी से बने उत्पादों और भारत के कौशल को बढ़ाने वाले उत्पादों पर विशेष बल दिया। उन्होने केंद्रीय ग्राम कुम्हारी संस्थान, खानापुर जिला बेलगांव कर्नाटक के स्टॉल पर मिट्टी की निर्मित चीजों पर ज्यादा रूचि दिखाई। उन्होंने मिट्टी के निर्मित तवे को और स्ट्रांग बनाने के लिये भी निर्माताओं से प्रयास करने को कहा।

इस अवसर पर आयोग के चेयरमैन विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि केवीआईसी देशभर में 100 से ज्यादा स्टॉल स्थापित कर चुकी है। इन सभी पर ग्रामीण आर्टिजन की ओर से तैयार किये गये उत्पाद उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि ट्रेड फेयर में उनको अपने कौशल को दिखाने के लिये अच्छा प्लेटफार्म उपलब्ध हो सका है।

● ऑर्टिजन को ट्रेड फेयर में कौशल दिखाने को मिला बड़ा प्लेटफार्म

मुंबई के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में वर्ल्ड ट्रेड एक्सपो 2017 का शुभारंभ किया गया। इस एक्सपो में सूक्ष्म, छोटे और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) को वैश्विक बाजार में उनके कौशल और उत्कृष्टता का प्रदर्शन करने का अवसर मिलेगा। इस अवसर पर ऑल इंडिया असोसिएशन ऑफ इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष विजय कलंत्री, वर्ल्ड ट्रेड सेंटर मुंबई के वाइस चेयरमैन, अरुण कुमार पांडा और केवीआईसी के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना मौजूद थे।

www.dainiknavajyoti.com

खादी संस्थाओं की परेशानियों को दूर किया जाएगा: सक्सेना

खादी आयोग के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना दो दिन के प्रवास पर जयपुर आए

व्यूरो/ नवज्योति, जयपुर

खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना ने कहा है कि खादी वस्त्र नहीं विचार है। खादी संस्थाओं के सामने जो भी परेशानियां होंगी, उन्हें दूर करने के प्रयास किए जाएंगे। सक्सेना शनिवार को जयपुर में खादी संस्थाओं की बैठक को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जो संस्थाएं अर्थ की कमी के चलते बंद हो गई है, उन्हें वापस शुरू किया जाएगा।

आमेर मन्दिर में पूणी का अवलोकन किया

आयोग अध्यक्ष एवं सदस्य डॉ हिना शफी भट्ट ने आमेर स्थित उद्योग मंदिर पूणी संयंत्र का अवलोकन किया। खादी को लोकप्रिय बनाने के लिए खादी और रेमण्ड्स के मध्य हुए समझौते के लिए पोली वस्त्र तैयार किए गए जा रहे हैं। इस अवसर पर उनके साथ खादी और ग्रामोद्योग आयोग, जयपुर के निदेशक एके गर्ग, राजस्थान खादी ग्रामोद्योग संस्था संघ के अध्यक्ष रामदास शर्मा, आयोग के पूर्व सदस्य बनवारीलाल गौड़, अखिल भारतीय प्रमाण पत्र समिति के पूर्व अध्यक्ष रामभरोसी लाल गुप्ता, खादी और ग्रामोद्योग आयोग उत्तर क्षेत्र समिति के सदस्य राजेंद्र अग्रवाल, उद्योग मंदिर आमेर के मंत्री अशोक शर्मा के अतिरिक्त खादी जगत के अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

आज करेंगे शिवदासपुरा का दौरा

आयोग में तकनीकी शिक्षा एवं प्रशिक्षण की सदस्य डॉ शीला राय के साथ शिवदासपुरा का अवलोकन करेंगे और संस्था के प्रतिनिधियों के साथ विद्यालय के पुनरुत्थान के लिए विचार विमर्श करेंगे।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष विनय कुमार जयपुर पहुंचे

जयपुर, (कासं)। खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना और सदस्य (उत्तर क्षेत्र) डॉ. हिना शफी भट्ट जयपुर में खादी और ग्रामोद्योग आयोग के माननीय अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना और सदस्य (उत्तर क्षेत्र) डॉ .हिना शफी भट्ट दो दिवसीय प्रवास पर जयपुर आयें।

अपने प्रवास के दौरान राजस्थान खादी ग्रामोद्योग संस्था संघ, बजाजनगर

■ खादी ग्रामोद्योग विद्यालय का आज करेंगे अवलोकन

जयपुर में राजस्थान की खादी संस्थाओं के साथ बैठक में भाग लिया। और खादी और ग्रामोद्योग संस्थाओं के प्रतिनिधियों, कतिन-बुनकरों, कामगारों और कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। 12 नवम्बर को अध्यक्ष और सदस्य (उत्तर क्षेत्र), आयोग में तकनीकी शिक्षा एवं प्रशिक्षण की दक्ष सदस्य डॉ.शीला राय के साथ जयपुर से 30 किमी की दूरी पर स्थित खादी ग्रामोद्योग विद्यालय, शिवदासपुरा का अवलोकन करेंगे और संस्था के प्रतिनिधियों के साथ विद्यालय के पुनरुत्थान के लिए विचार विमर्श करेंगे। जयपुर आगमन के दौरान विनय कुमार सक्सेना और डॉ हिना शफी भट्ट ने शाहपुरा में स्थित आयोग से सीधे वित्त पोषित संस्था उद्योग मंदिर, आमेर द्वारा संचालित पूणी संयंत्र का अवलोकन किया। खादी वस्त्रों को और अधिक लोकप्रिय बनाने के लिये आयोग और रेमंड्स के मध्य एक समझौता हुआ है जिसके अंतर्गत खादी वस्त्रों की गुणवत्ता में और सुधार करके खादी बिक्री बढ़ाने का लक्ष्य है।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना व डॉ. हिना शफी भट्ट ने शनिवार को वित्त पोषित संस्था उद्योग मंदिर व पूणी संयंत्र का अवलोकन किया।

प्रेस कवरेज

खादी और ग्रामोद्योग आयोग अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना और सदस्य (उत्तर क्षेत्र) डॉ. हिना शफी भट्ट जयपुर में

■ जलतेदीप कासं, जयपुर

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना और सदस्य (उत्तर क्षेत्र) डॉ. हिना शफी भट्ट दो दिवसीय प्रवास पर जयपुर आयें।

अपने प्रवास के दौरान वे शनिवार को सायं राजस्थान खादी ग्रामोद्योग संस्था संघ, बजाज नगर जयपुर में राजस्थान की खादी संस्थाओ के साथ बैठक में भाग लिया और खादी और ग्रामोद्योग संस्थाओं के प्रतिनिधियों, कत्तिन-बुनकरों, कामगारों और कार्यकर्ताओं को संबोधित कियो।

अध्यक्ष और सदस्य (उत्तर क्षेत्र), आयोग में तकनीकी शिक्षा एवं प्रशिक्षण की दक्ष सदस्य डॉ. शीला राय के साथ जयपुर से 30 किमी की दूरी पर स्थित खादी ग्रामोद्योग विद्यालय, शिवदासपुरा का अवलोकन किया और संस्था के प्रतिनिधियों के साथ विद्यालय के पुनरुत्थान के लिए विचार विमर्श किया।

नई दिल्ली से जयपुर आगमन के दौरान विनय कुमार सक्सेना और डॉ हिना शफी भट्ट ने शाहपुरा में स्थित आयोग से सीधे वित्त पोषित संस्था उद्योग मंदिर, आमेर द्वारा संचालित पूणी संयंत्र का अवलोकन किया। खादी वस्त्रों को और अधिक लोकप्रिय बनाने के लिये आयोग और रेमंड्स के मध्य एक समझौता हुआ है जिसके अंतर्गत खादी वस्त्रों की गुणवत्ता में और सुधार ... खादी विक्री बढ़ाने का लक्ष्य है ... संस्था द्वारा रेमंड्स को ... रूपये पोली वूल ... कपड़े की पूणी ...

शाहपुरा में ... कार्यालय, खादी और ... जयपुर के निदेशक ए. ... खादी ग्रामोद्योग संस्था संघ ... दास शर्मा, आयोग के पूर्व ... बनवारी लाल गौड़, अखिल भारती... पत्र समिति के पूर्व अध्यक्ष राम भरोसी ... गुप्ता, खादी और ग्रामोद्योग आयोग उत्तर ... समिति के सदस्य राजेंद्र अग्रवाल के अतिरिक्त खादी जगत के अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

अब मॉल्स में भी बिकेगी खादी

महानगर संवाददाता

प्रमुख रिटेल चेन स्टोर में होंगे खादी कॉर्नर

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना जयपुर में

जयपुर,कासं। खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना और सदस्य (उत्तर क्षेत्र) डॉ हिना शफी भट्ट दो दिवसीय प्रवास पर जयपुर पहुंचे और बजाज नगर स्थित राजस्थान खादी ग्रामोद्योग संस्था संघ में राजस्थान की खादी संस्थाओं के साथ बैठक में खादी और ग्रामोद्योग संस्थाओं के प्रतिनिधियों, कत्तिन-बुनकरों, कामगारों और कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। नई दिल्ली से जयपुर आगमन के दौरान सक्सेना और डॉ भट्ट ने शाहपुरा में स्थित आयोग से सीधे वित्त पोषित ... मंदिर, आमेर द्वारा संचालित पूणी ... किया।

इस अवसर पर खादी और ग्रामोद्योग आयोग, जयपुर के निदेशक ए के गर्ग, राजस्थान खादी ग्रामोद्योग संस्था संघ के अध्यक्ष राम दास शर्मा, आयोग के पूर्व दक्ष सदस्य बनवारी लाल गौड़, अखिल भारतीय प्रमाण पत्र समिति के पूर्व अध्यक्ष राम भरोसी लाल गुप्ता, खादी और ग्रामोद्योग आयोग उत्तर क्षेत्र समिति के सदस्य राजेंद्र अग्रवाल, उद्योग मंदिर आमेर के मंत्री अशोक शर्मा के अतिरिक्त खादी जगत के अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

AAJKAL DATED 21.11.

শেষ হল খাদি বাজার

১১ দিনে বিক্রি ৬০ লাখ

খাদি মেলাতে চলছে কেনাকাটা। সোমবার। জেল আশ্রম মাঠে। ছবি: নিতাই দে

আজকালের প্রতিবেদন

সোমবার শেষ হল রাজ্যভিত্তিক খাদি বাজার ও প্রদর্শনী। ক্ষুদিরাম বসু ইংরেজি মাধ্যম স্কুলে ৯ নভেম্বর থেকে এই বাজার ও প্রদর্শনী শুরু হয়েছিল। জানা গেছে, ১১ দিনে বিভিন্ন সামগ্রী মোট বিক্রি হয়েছে ৬০ লাখ টাকা। শেষ দিনেও ভাল সংখ্যক মানুষ এই বাজারে উপস্থিত হয়েছিলেন। কেনাকাটা করেছেন রাত ৯টা পর্যন্ত। জিএসটি-র প্রভাবে কুটির শিল্প-সহ হস্তচালিত শিল্পসামগ্রীর দাম অনেকটাই বেড়েছে। বাজারে আসা হস্তশিল্পীদের মুখে ছিল হতাশার ছাপ। তাঁরা বললেন, জিনিসপত্রের দাম বাড়ার ফলে বিক্রিবাটা কমে গেছে। ক্রেতারাও দাম শুনে স্টল থেকে কেটে পড়ছেন। এদিন সমাপ্তি অনুষ্ঠানে প্রধান অতিথি হিসাবে উপস্থিত ছিলেন সাংসদ শঙ্করপ্রসাদ দত্ত। তিনি বলেন, জাতির জনক মহাত্মা গান্ধীর ব্যবহৃত খাদিকেই এখন কেউ কেউ ব্যক্তিস্বার্থে কাজে লাগাচ্ছেন। তার জন্য সতর্ক থাকতে হবে এবং আন্দোলনে নামতে হবে। আগামী দিনে জাতীয়স্তরে এই মেলার আয়োজন করার জন্য উদ্যোক্তাদের কাছে আহ্বান করেন তিনি। অনুষ্ঠানে বক্তব্য পেশ করেন কেভিআইসি উত্তর-পূর্বাঞ্চলের উপমুখ্যনির্বাহী আধিকারিক সিদ্ধার্থশঙ্কর শীল, কেভিআইসি রাজ্য প্রভারী কে সি রায়, ত্রিপুরা খাদি ও গ্রামোদ্যোগ পর্ষদের কার্যনির্বাহী আধিকারিক কাইজার দেববর্মা। অনুষ্ঠানে ফ্যাশান সু প্রতিযোগিতার বিজয়ীদের পুরস্কৃত করা হয়। এ ছাড়া মেলায় অংশগ্রহণকারীদের মধ্যে বেস্ট স্টল পুরস্কার দেওয়া হয়।

Khadi India

स्वस्थ जीवन का प्राकृतिक मार्ग

बहुमुखी एवं मनमोहक
खादी डिजाइनर परिधानों
जैसे पर्यावरणानुकुल उत्पादों का एक स्थान
खादी वस्त्र, हर्बल उत्पाद,
रसायन रहित अगरबत्तियां,
विषाणु रहित एवं एन्टी फंगल शहद,
नैसर्गिक एवं आयुर्वेदिक सौन्दर्य उत्पाद
जैसे साबुन एवं शैम्पू,
हाथ कागज एवं पारंपरिक हस्तशिल्प
तथा अन्य उत्पादों की विशाल श्रृंखला

खादी और ग्रामोद्योग आयोग

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार

ग्रामोदय, 3, इर्ला रोड़, विले पार्ले (पश्चिम), मुम्बई-400 056 वेबसाईट : www.kvic.org.in

भारत में हम रोजगार सृजन करते है तथा समृद्धि बुनते है